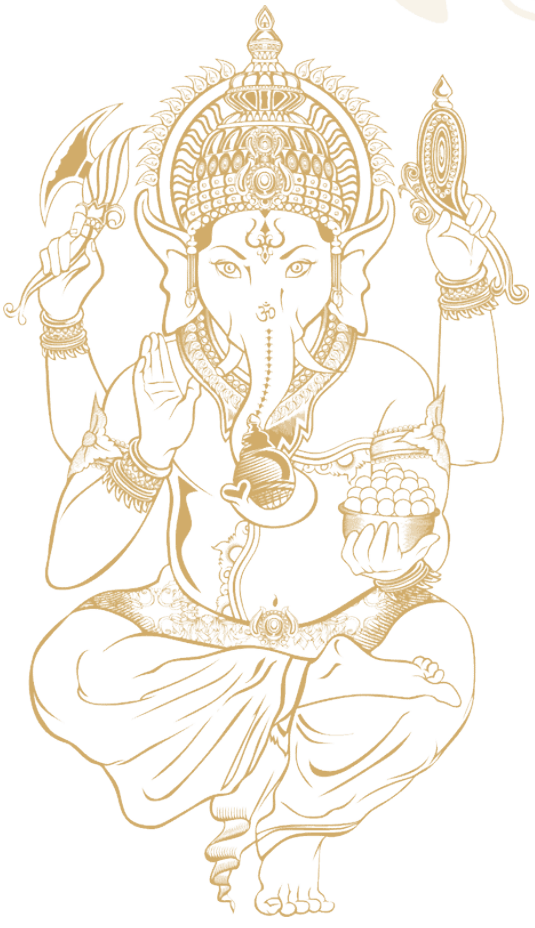

Ashutosh

Priyanka

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121114804

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/09/1993	जन्म तिथि	26/10/1992
शनिवार	दिन	सोमवार
घंटे 19:55:00	जन्म समय	08:00:00 घंटे
घटी 35:22:58	जन्म समय(घटी)	04:47:12 घटी
India	देश	India
Basti	स्थान	Rewa
26:48:00 उत्तर	अक्षांश	24:32:00 उत्तर
82:44:00 पूर्व	रेखांश	81:18:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:56	स्थानिक संस्कार	-00:04:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:45:48	सूर्योदय	06:08:27
18:00:15	सूर्यास्त	17:28:56
23:46:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:40

विंशोत्तरी राहु 17वर्ष 7मा 9दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी राहु 10वर्ष 2मा 7दि
गुरु	11:57:44	मेष	लग्न	वृश्चि	02:49:13	शनि
29/04/2011	01:54:34	कन्या	सूर्य	तुला	09:10:11	03/01/2019
29/04/2027	06:57:25	तुला	चंद्र	तुला	12:27:15	02/01/2038
गुरु 16/06/2013	00:32:07	तुला	मंगल	मिथु	27:12:49	शनि 05/01/2022
शनि 28/12/2015	17:53:31	कन्या	बुध	वृश्चि	02:05:34	बुध 14/09/2024
बुध 04/04/2018	24:53:48	कन्या	गुरु	कन्या	09:27:13	केतु 24/10/2025
केतु 11/03/2019	02:34:51	सिंह	शुक्र	वृश्चि	13:58:06	शुक्र 24/12/2028
शुक्र 09/11/2021	01:06:36	कुंभ व	शनि	मक	18:08:38	सूर्य 06/12/2029
सूर्य 28/08/2022	11:48:51	वृश्चि व	राहु व	वृश्चि	28:45:56	चन्द्र 07/07/2031
चन्द्र 28/12/2023	11:48:51	वृष व	केतु व	वृष	28:45:56	मंगल 15/08/2032
मंगल 03/12/2024	24:29:15	धनु व	हर्ष	धनु	20:44:48	राहु 22/06/2035
राहु 29/04/2027	24:38:21	धनु व	नेप	धनु	22:38:32	गुरु 02/01/2038
	29:33:10	तुला	प्लूटो	तुला	28:19:05	

लग्न-चलित

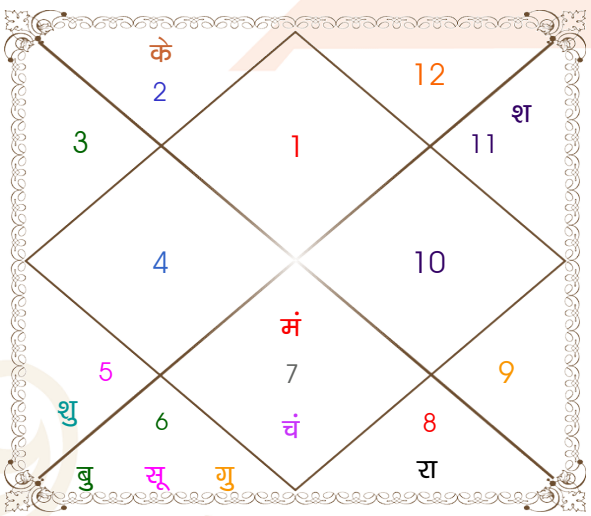

लग्न-चलित

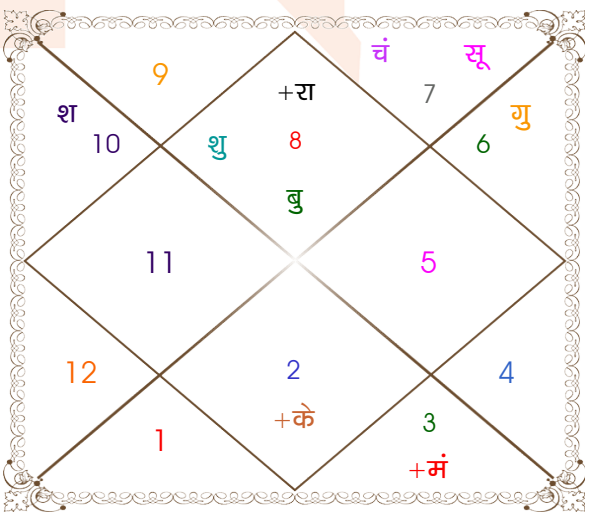

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	महिष	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

ीनजवी का वर्ग मृग है तथा च्तपलंदां का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ीनजवी और च्तपलंदां का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ीनजवी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र ीनजवी कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

च्तपलंदां मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों

में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि त्तपलंदां कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु ौनजवी कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ौनजवी कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ौनजवी तथा त्तपलंदां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।